भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 2933
गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024/21 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

दरभंगा विमानपत्तन पर सिविल एन्क्लेव का निर्माण

2933. श्री गोपाल जी ठाकुरः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उड़ान योजना के अंतर्गत स्थापित दरभंगा विमानपत्तन बहुत सफल रहा है और 912 करोड़ रुपए की लागत से एक नए सिविल एन्क्लेव का निर्माण किया जा रहा है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार का उक्त विमानपत्तन को अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन के रूप में विकसित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): दरभंगा हवाईअड्डा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के अंतर्गत आता है तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) इस हवाईअड्डे पर एक अंतरिम सिविल एन्क्लेव का अनुरक्षण करता है। इस क्षेत्र में यात्री यातायात की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, एएआई ने दरभंगा हवाईअड्डे पर 911.66 करोड़ रुपए की लागत से एक नए सिविल एन्क्लेव का विकास कार्य शुरू किया है। इस परियोजना में 53,250 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला एक टर्मिनल भवन शामिल है, जिसे व्यस्ततम समय के दौरान 3,000 यात्रियों को संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है, तथा इसमें सात कोड-सी प्रकार के विमानों को रखने के लिए एक एप्रन भी शामिल है। कार्य दिनांक 03.07.2024 को अवार्ड किया गया।

(ख): किसी हवाईअड्डे को अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा घोषित करना यातायात क्षमता, अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के परिचालन के लिए एयरलाइनों की मांग, तथा द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते के अलावा ग्राउंड लाइटिंग सुविधाएं, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम, रनवे की लंबाई, आव्रजन, स्वास्थ्य और पशु एवं पादप संगरोध सेवाएं, आदि, के प्रावधान पर निर्भर करता है। वर्तमान में, दरभंगा हवाईअड्डे को अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा घोषित करने का कोई प्रस्ताव नागर विमानन मंत्रालय में विचाराधीन नहीं है।

*****